

23/12/2022

* सबसे बड़ी लड़ाई *

ऐसी लड़ाई जो वर्ल्ड वॉर वन और वर्ल्ड वॉर टू से भी खतरनाक होती है। यह लड़ाई ना कभी खत्म हुई थी और ना कभी खत्म होगी। तो दिल ग्रामक बँधीये जस लड़ाई की मैं बात कर रही हूँ वो लड़ाई है सबसे कट्टर दुश्मनों की और वो दो हैवान हैं, "बर्ड - बहन"।

बर्ड-बहन ये ऐसे दो प्राणी हैं जिनकी लड़ाई का ना तो कोई सर होता है नाहीं पैर और अंत की तो बात ही मत पुछो। इनका बस चले तो ये ज़िंद में भी लड़ने लगे।

बस सुबह हुई नहीं, सुरज दादा ने अपने दर्शन दिये नहीं और यहाँ इनकी लड़ाई शुरू। लड़ाई भी किस बात पर की तू मुझसे पहले बाथरूम गया तो गया कैसे। बेचारे घर वाले इनकी चु-चा में फँस कर रह जाते हैं।

ये बातें उसे मेश मतलब है, लड़ाई सुबह-सुबह
सुनकर रूंदी होती है डेन की मतलब हमारी माँ
"क्या लगा रखा है ये सुबह-सुबह, कोई काम
नहीं है क्या दुसरा? चलो चुपचाप अपना-अपना
काम करो और अब अगर तुम दोनों की आवाज
आई तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा।"

लेकिन हमारे दिमाग से पैदल बर्ड-बहन को ये
समझ आता क्यों है, उनके मन में तो मानो
रफ़्त ही गन्ना बन रहा होता है :- "हम नहीं सुधरेंगे,
हम नहीं सुधरेंगे, थोड़ा और बिगड़ेगे, हम नहीं सुधरेंगे।"

माँ की डॉट का कोई असर नहीं होता इन बेशरमों पर।
"अगले दिन ~~की~~ फिर यही कहानी,
क्योंकि बर्ड-बहन कि यही जिंदगानी।"

नाम :- वैष्णवी गणेश मंडा

कक्षा :- 12वीं

E-mail :- vaishnavimanza@gmail.com.